सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

हाल ही में, वर्ष 2024 में सर्वोच्च न्यायालय में नामित 116 नए वरिष्ठ अधिवक्ताओं की गुणवत्ता पर चिंताएँ व्यक्त की गई हैं।

- **वरिष्ठ अधिवक्ता:**
  - **पदनाम:** यह उपाधि कानूनी विशेषज्ञता, बार में प्रतिष्ठा, तथा कम से कम **10 वर्षों के अनुभव** के बाद विशेष ज्ञान के आधार पर **सर्वोच्च न्यायालय** या उच्च न्यायालय द्वारा प्रदान की जाती है।
  - **भूमिका:** वे **कानूनी प्रस्तावों पर बहस** करते हैं, लेकिन मुवक्किलों से **सीधे निर्देश** नहीं ले सकते हैं और उन्हें **एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड (AoR)** द्वारा जानकारी दी जाती है।
    - वरिष्ठ अधिवक्ता सर्वोच्च न्यायालय में प्रमुख कानूनी व्यक्ति होते हैं, जो मृत्यु दंड, **कंपनी परिसमापन, बाल हिरासत और** जमानत आवेदन जैसे उच्च जोखिम वाले मामलों को संभालते हैं।
  - **प्रतिबंध:** वरिष्ठ अधिवक्ता सीधे तौर पर मुवक्किलों को नहीं ले सकते हैं या कुछ कानूनी कार्यों में संलग्न नहीं हो सकते हैं, जैसे कि **याचिकाओं का प्रस्ताव तैयार करना, हलफनामा तैयार करना** या साक्ष्य पर सलाह देना।
  - **वर्ष 2017 सुधार: बॉम्बे उच्च न्यायालय की पहली महिला वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह की** जनहित याचिका के बाद सर्वोच्च न्यायालय ने वरिष्ठ अधिवक्ताओं को नामित करने के लिये वस्तुनिष्ठ मानदंड स्थापित किये।
    - इन मानदंडों में **निर्णय, शैक्षणिक योगदान** और **अनुभव** शामिल हैं, जिसका उद्देश्य प्रक्रिया को अधिक **पारदर्शी** और **समावेशी** बनाना है।
- **एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड:** वे **दस्तावेज़ दाखिल करने,** पक्षों का प्रतिनिधित्व करने तथा सर्वोच्च न्यायालय में उपस्थिति दर्ज कराने के लिये अधिकृत एकमात्र अधिवक्ता हैं।
- **अन्य अधिवक्ता:** ये अधिवक्ता **राज्य बार काउंसिल की सूची** में सूचीबद्ध हैं और **सर्वोच्च न्यायालय** में मामलों पर बहस कर सकते हैं, लेकिन दस्तावेज़ दाखिल नहीं कर सकते **(औपचारिक फाइलिंग** में शामिल नहीं)।

और पढ़ें: BCI ने विदेशी वकीलों को भारत में प्रैक्टिस करने की अनुमति दी

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/advocates-of-supreme-court